चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 14 फ़रवरी 2026, अंक –215.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

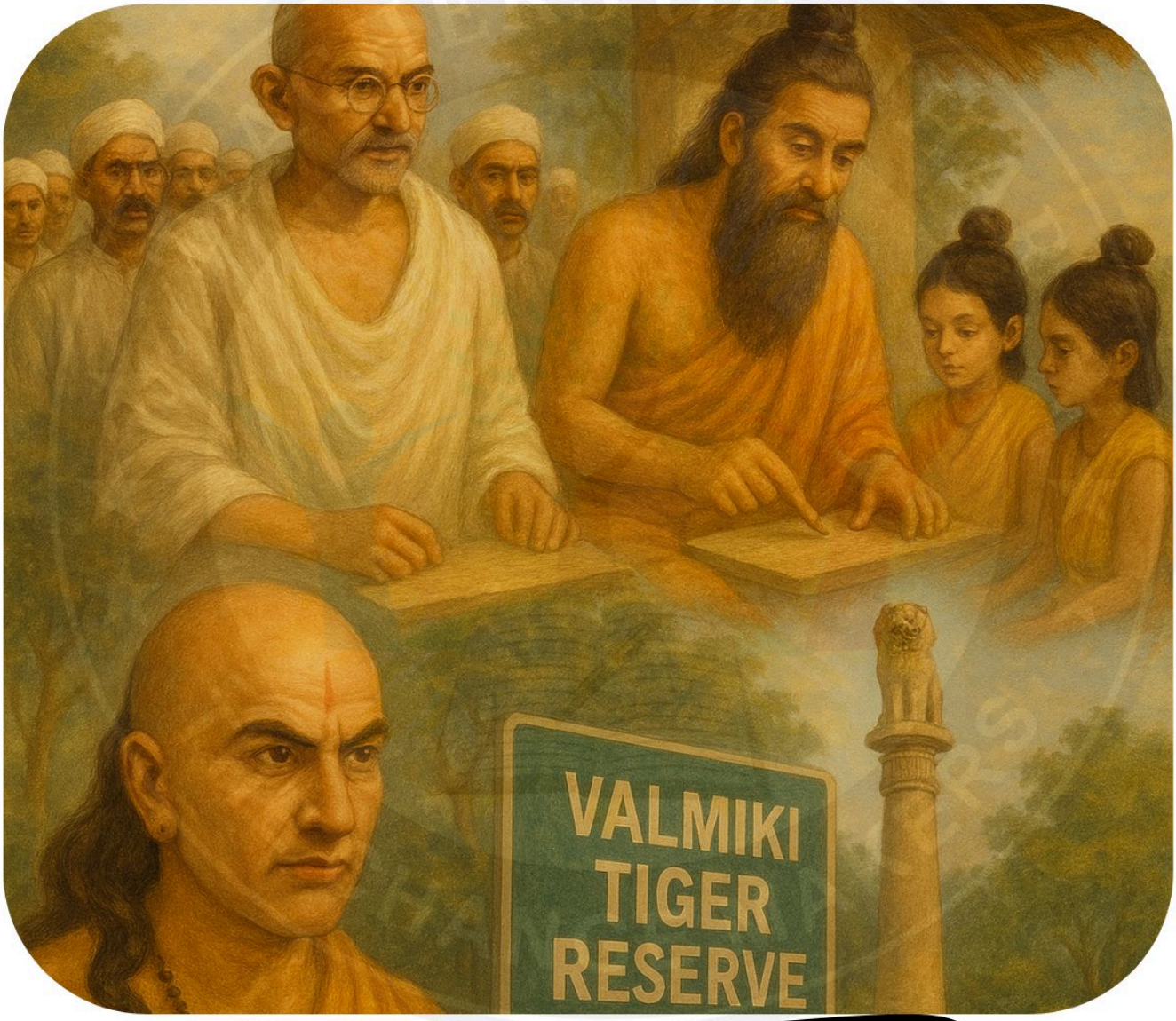

"संघर्ष से डरने वाले इतिहास नहीं रचते।"

— नेल्सन मंडेला

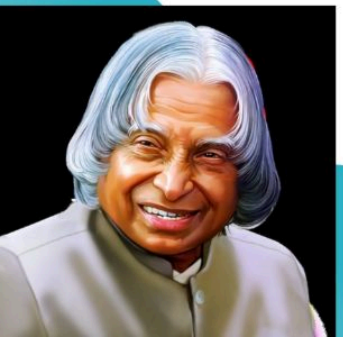

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना:

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्
शस्यश्यामलां मातरम्।
वंदे मातरम् !
शुभ्रज्योत्स्नां पुलकितयामिनीम्
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्
सुखदां वरदां मातरम्।।
वन्दे मातरम्।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1: ब्राज़ील की राजधानी क्या है?
उत्तर: ब्रासीलिया
प्रश्न 2: भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान क्या कहलाता है?
उत्तर: भारत रत्न
प्रश्न 3: हॉर्नबिल उत्सव किस राज्य की संस्कृति से जुड़ा है?
उत्तर: नागालैंड
प्रश्न 4: 5 और 7 किस प्रकार की अभाज्य संख्याएँ हैं?
उत्तर: जुड़वा अभाज्य संख्याएँ
प्रश्न 5: पटना किस नदी के किनारे बसा है?
उत्तर: गंगा
प्रश्न 6: भारत का राष्ट्रीय सरीसृप कौन सा है?
उत्तर: किंग कोबरा
प्रश्न 7: टेलीविजन का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: जॉन लॉगी बेयर्ड
प्रश्न 8: भारत के राष्ट्रपति का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है?
उत्तर: 5 वर्ष
प्रश्न 9: 'मीठा' का विलोम शब्द बताइए।
उत्तर: कड़वा
प्रश्न 10: हमारे शरीर को ऊर्जा देने के लिए हम किस गैस को साँस में लेते हैं?
उत्तर: ऑक्सीजन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Give (गिव) – देना
Gave (गेव) – दिया
Given (गिवन) – दिया गया

Make (मेक) – बनाना
Made (मेड) – बनाया
Made (मेड) – बनाया गया

Speak (स्पीक) – बोलना
Spoke (स्पोक) – बोला
Spoken (स्पोकन) – बोला गया

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: At Home (घर पर उपयोग होने वाले वाक्य)

मुझे भूख लगी है। - I am hungry.
मुझे प्यास लगी है।- I am thirsty.
मुझे खाना दो।- Give me food.
मुझे पानी दो। - Give me water.

सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहा
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 14 फरवरी को विश्व स्तर पर कौन सा दिवस मुख्य रूप से मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: वैलेंटाइन दिवस
व्याख्या: 14 फरवरी को विश्वभर में वैलेंटाइन दिवस प्रेम और सौहार्द के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस प्राचीन रोमन त्योहार 'लूपर्कालिया' से जुड़ा है तथा सेंट वैलेंटाइन नामक पादरी की स्मृति से संबद्ध है, जिन्होंने राजाज्ञा का उल्लंघन कर प्रेमी युगलों की गुप्त शादियाँ करवाई थीं। आधुनिक संदर्भ में यह दिवस केवल प्रेमी युगलों तक सीमित नहीं, वरन् परिवार, मित्रों एवं आत्म-प्रेम (सेल्फ-लव) का जश्न मनाने का भी अवसर है।
संदर्भ: Days of the Year वेबसाइट; NDTV लाइफस्टाइल (फरवरी 2026)।

2. हाल ही में (फरवरी 2026) किस देश के साथ भारत ने रक्षा, अर्धचालक एवं उन्नत विनिर्माण सहित 11 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं? (समसामयिकी)
उत्तर: मलेशिया
व्याख्या: फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री की मलेशिया यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, रक्षा, ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण एवं सेमीकंडक्टर जैसे उच्च-प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में कुल 11 समझौतों एवं दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें ऑडियो-विज़ुअल सह-निर्माण और आपदा प्रबंधन सहयोग पर समझौता ज्ञापन (MoU) भी शामिल है, जो द्विपक्षीय संबंधों में नए आयाम स्थापित करता है।
संदर्भ: पीआईबी इंडिया; Next IAS करंट अफेयर्स (09 फरवरी, 2026)।

3. "Aryabhatiyam" के रचयिता एवं इस पुस्तक में वर्णित प्रमुख वैज्ञानिक तथ्य क्या है? (पुस्तक-लेखक)
उत्तर: आर्यभट्ट; पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है
व्याख्या: महान गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री आर्यभट्ट ने संस्कृत भाषा में 'आर्यभट्टीयम' नामक ग्रंथ की रचना की। इसमें उन्होंने सर्वप्रथम प्रतिपादित किया कि दिन और रात पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने के कारण होते हैं, न कि सूर्य के गति करने से। उन्होंने ग्रहणों की वैज्ञानिक व्याख्या दी तथा वृत्त की परिधि मापने की लगभग आधुनिक विधि के समान सटीक विधि खोजी। यह ग्रंथ भारतीय वैज्ञानिक परंपरा की आधारशिला है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 10 (इमारतें, चित्र तथा किताबें), पृष्ठ संदर्शित।

4. 'कृषि-वनीकरण' (Agroforestry) क्या है? (पर्यावरण)
उत्तर: एक ही भूमि पर वृक्षों एवं फसलों/पशुधन का सह-एकीकरण
व्याख्या: कृषि-वनीकरण भूमि-उपयोग की वह समन्वित प्रणाली है, जिसमें एक ही भूखंड पर वृक्षों को कृषि फसलों और/अथवा पशुधन के साथ सह-एकीकृत किया जाता है। यह प्रणाली भूमि क्षरण को रोकने, जलवायु जोखिमों से निपटने, जैव विविधता संरक्षण एवं किसानों की आय में वृद्धि हेतु अत्यंत प्रभावी है। हालाँकि, भारत में यह वित्तीय पहुँच, नीतिगत क्रियान्वयन और किसान जागरूकता की चुनौतियों का सामना कर रहा है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 8 भूगोल, अध्याय 2 (भूमि, मृदा, जल); प्रथम दक्षिण एशियाई कृषि-वनीकरण कांग्रेस रिपोर्ट, 2026।

5. दिल्ली के मेहरौली में स्थित 'लौह स्तंभ' का निर्माण किस काल में हुआ और इसकी विशेषता क्या है? (इतिहास)
उत्तर: गुप्त काल; 1500 वर्षों में जंग न लगना
व्याख्या: दिल्ली के मेहरौली में कुतुब मीनार परिसर में स्थित लौह स्तंभ का निर्माण लगभग 1500 वर्ष पूर्व गुप्त काल में हुआ था। इस पर उत्कीर्ण अभिलेख में 'चन्द्र' नामक शासक (संभवतः चंद्रगुप्त विक्रमादित्य) का उल्लेख है। इसकी ऊँचाई 7.2 मीटर एवं भार 3 टन से अधिक है। सबसे आश्चर्यजनक विशेषता यह है कि डेढ़ सहस्राब्दी के उपरांत भी इस स्तंभ में जंग (रस्ट) नहीं लगा है, जो प्राचीन भारतीय धातुकर्मियों के उन्नत कौशल का प्रमाण है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 10 (इमारतें, चित्र तथा किताबें), पृष्ठ 105-106

"सामान्य-ज्ञान"

6. 'दिक्सूचक' (कम्पास) में चुंबकीय सुई किस दिशा को इंगित करती है? (भूगोल)
उत्तर: उत्तर-दक्षिण दिशा
व्याख्या: दिक्सूचक (कम्पास) एक ऐसा उपकरण है, जिसमें चुंबकीय सुई स्वतंत्र रूप से घूमने के लिए लगी होती है। विराम अवस्था में यह सुई सदैव उत्तर-दक्षिण दिशा को इंगित करती है। इसके उत्तरी ध्रुव को पहचानने के लिए प्रायः उसे भिन्न रंग से रंगा जाता है। दिशा ज्ञात करने हेतु कम्पास को तब तक घुमाया जाता है जब तक डायल पर अंकित उत्तर और दक्षिण, सुई के छोरों से संरेखित न हो जाएँ। यह सिद्धांत नौवहन एवं क्षेत्रीय अध्ययन में मूलभूत है ।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 विज्ञान, अध्याय 10 (चुंबकों द्वारा मनोरंजन), पृष्ठ 120-121।

7. संविधान के किस अनुच्छेद में 'राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों' (DPSP) का उल्लेख है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 36 से 51
व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग IV में अनुच्छेद 36 से 51 तक राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों (Directive Principles of State Policy) का विस्तृत उल्लेख है। ये तत्व आयरलैंड के संविधान से प्रेरित हैं तथा इनका उद्देश्य सामाजिक-आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना करना है। यद्यपि ये बाध्यकारी नहीं हैं, फिर भी ये देश के शासन में मूलभूत हैं और कानून निर्माण में मार्गदर्शक सिद्धांत माने जाते हैं।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 राजनीति विज्ञान, अध्याय 2 (भारतीय संविधान में अधिकार), पृष्ठ 33-34।

8. चुंबक के दो प्रमुख गुण क्या हैं? (विज्ञान)
उत्तर: (1) समान ध्रुव प्रतिकर्षित, विपरीत ध्रुव आकर्षित; (2) स्वतंत्र रूप से लटका चुंबक उत्तर-दक्षिण दिशा में ठहरता है
व्याख्या: प्रत्येक चुंबक के दो अनिवार्य गुण होते हैं: प्रथम, चुंबक के समान ध्रुव (उत्तर-उत्तर, दक्षिण-दक्षिण) एक-दूसरे का प्रतिकर्षण करते हैं, जबकि विपरीत ध्रुव (उत्तर-दक्षिण) परस्पर आकर्षित होते हैं। द्वितीय, यदि किसी चुंबक को स्वतंत्र रूप से लटका दिया जाए, तो वह सदैव उत्तर-दक्षिण दिशा में आकर ठहरता है। इसी गुण के कारण दिक्सूचक (कम्पास) में चुंबकीय सुई का उपयोग दिशा ज्ञान के लिए किया जाता है ।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 विज्ञान, अध्याय 10 (चुंबकों द्वारा मनोरंजन), पृष्ठ 118-119।

9. अजंता की गुफाओं में बने चित्रों में रंगों के निर्माण हेतु किन स्रोतों का उपयोग किया गया था? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: पौधे एवं खनिज
व्याख्या: अजंता की गुफाएँ भारतीय चित्रकला के उत्कृष्ट नमूने हैं, जिनका निर्माण लगभग 1500 वर्ष पूर्व हुआ था। गुफाओं के भीतर अंधेरे में मशालों की रोशनी में बनाए गए ये चित्र आज भी चमकदार हैं। इन चित्रों में प्रयुक्त रंग पूर्णतः प्राकृतिक स्रोतों—पौधों एवं खनिजों—से निर्मित किए गए थे। इन महान कृतियों को बनाने वाले कलाकार अज्ञात हैं, तथापि उनकी कला अमर है ।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 10 (इमारतें, चित्र तथा किताबें), पृष्ठ 108-109।

10. बिहार के किस जिले में प्रसिद्ध 'लोहा स्तूप' (लौह स्तंभ) स्थित है, जो गुप्त कालीन धातुकर्म का अद्भुत नमूना है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: नालंदा
व्याख्या: बिहार के नालंदा जिले के बरगाँव में 'लोहा स्तूप' या लौह स्तंभ स्थित है। यह दिल्ली के मेहरौली स्तंभ की तरह गुप्त कालीन धातुकर्म कौशल का अद्भुत नमूना है। यह स्तंभ भी वैज्ञानिकों को आश्चर्य में डालता है कि इतनी शताब्दियों के बाद भी इसमें जंग का अभाव है। यह प्राचीन भारत के उन्नत धातु विज्ञान और वैज्ञानिक चेतना का प्रतीक है।
संदर्भ: बिहार पुरातत्व निदेशालय; NCERT कक्षा 6 इतिहास (अध्याय 10) के संदर्भ स्रोत।

"सामान्य-ज्ञान"

11. विद्यालय स्तर पर कुपोषण की पहचान के लिए कौन-सी सरल विधि अपनाई जा सकती है और इसके लिए किन मापदंडों का उपयोग किया जाता है? (विद्यालय सुरक्षा फरवरी W2)
उत्तर: विद्यालय स्तर पर कुपोषण की पहचान के लिए "मिड-अपर आर्म सर्कम्फ्रेंस (MUAC)" टेप या "बाल चार्ट" का उपयोग किया जाता है, जिसमें बच्चे की उम्र के अनुसार ऊंचाई और वजन का मानक तालिका से मिलान कर सामान्य, मध्यम या गंभीर कुपोषण की श्रेणी निर्धारित की जाती है। MUAC टेप बांह की मोटाई मापकर 12-59 माह के बच्चों में तीव्र कुपोषण का पता लगाने का एक सरल, सस्ता एवं विश्वसनीय साधन है - 12.5 सेमी से कम माप कुपोषण का संकेत है। वहीं WHO के वृद्धि मानक चार्ट के अनुसार, उम्र के हिसाब से वजन और ऊंचाई -2 SD (मानक विचलन) से कम होना कुपोषण को दर्शाता है। प्रशिक्षित शिक्षक इन विधियों से कुपोषित बच्चों का प्रारंभिक चरण में पहचान कर, उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या आंगनवाड़ी केंद्र से जोड़ सकते हैं।

12. एक निश्चित कूट भाषा में, यदि 'MAGNET' को 'O C I P G V' के रूप में लिखा जाता है (प्रत्येक अक्षर के बीच स्थान), तो उसी कूट में 'COMPASS' को क्या लिखा जाएगा? (मानसिक योग्यता)
उत्तर: E Q O R C U U
व्याख्या: यहाँ प्रत्येक अक्षर को अंग्रेजी वर्णमाला में दो स्थान आगे वाले अक्षर से बदला गया है तथा उनके बीच एक स्थान (स्पेस) दिया गया है।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Scrutinize (स्क्रूटिनाइज़) = Examine (एग्ज़ैमिन) = बारीकी से जाँच करना
Antonym – Overlook (ओवरलुक) = अनदेखा करना
Tenacious (टेनैशस) = Determined (डिटरमाइन्ड) = दृढ़ निश्चयी
Antonym – Weak (वीक) = कमजोर
Urbane (अर्बेन) = Polite (पोलाइट) = शिष्ट / सभ्य
Antonym – Rude (रूड) = असभ्य
Validate (वैलिडेट) = Confirm (कन्फर्म) = पुष्टि करना
Antonym – Invalidate (इनवैलिडेट) = अमान्य करना
Yearn (यर्न) = Desire (डिज़ायर) = तीव्र इच्छा करना
Antonym – Loathe (लोथ) = घृणा करना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. Government expands digital public infrastructure and e-governance services

भारत सरकार ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और ई-गवर्नेंस सेवाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी है। विभिन्न मंत्रालयों में ऑनलाइन सेवाओं, डिजिटल प्रमाणपत्र और रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम को लागू किया जा रहा है। इससे नागरिकों को पारदर्शी, तेज और सुलभ सेवाएँ मिलेंगी तथा प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि होगी।

2. Focus on innovation and startups to boost economic growth.

केंद्र सरकार ने स्टार्टअप, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नई नीतिगत पहलों पर जोर दिया है। टेक्नोलॉजी आधारित स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता, मेंटरशिप और वैश्विक बाजार से जोड़ने की योजनाएँ तैयार की जा रही हैं, जिससे रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

3. Education sector prioritises competency-based learning and assessment.

शिक्षा क्षेत्र में दक्षता आधारित शिक्षण और मूल्यांकन प्रणाली को मजबूत करने पर बल दिया जा रहा है। स्कूलों में डिजिटल कंटेंट, कौशल आधारित पाठ्यक्रम और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को विस्तार दिया जा रहा है, ताकि छात्रों की सीखने की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धी क्षमता में सुधार हो सके।

INTERNATIONAL NEWS

4. Global cooperation grows on clean energy and sustainable development

दुनिया के कई देशों ने स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सहयोग बढ़ाया है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित प्रौद्योगिकी में निवेश बढ़ाने की योजनाएँ बनाई जा रही हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा सुरक्षा दोनों को मजबूती मिलेगी।

5. International trade and technology partnerships gain momentum

वैश्विक स्तर पर डिजिटल व्यापार, साइबर सुरक्षा और उन्नत प्रौद्योगिकी में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता आएगी और तकनीकी नवाचार को नई दिशा मिलेगी।

6. Space science missions drive global research collaboration

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में कई देशों ने संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ शुरू करने की घोषणा की है। उपग्रह प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष अन्वेषण और पृथ्वी अवलोकन मिशनों पर सहयोग से वैज्ञानिक अनुसंधान और आपदा प्रबंधन क्षमता में सुधार की उम्मीद है।

BIHAR NEWS

7. School education monitoring strengthened across districts.
बिहार में शिक्षा विभाग ने विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने के लिए मॉनिटरिंग व्यवस्था को मजबूत किया है। डिजिटल उपस्थिति, नियमित निरीक्षण और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे सरकारी स्कूलों में सीखने का वातावरण बेहतर बनेगा।

8. Review of infrastructure projects for faster development.
राज्य के विभिन्न जिलों में सड़क, पुल और शहरी विकास परियोजनाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों को समयबद्ध कार्य पूरा करने और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे क्षेत्रीय विकास और रोजगार के अवसर बढ़ने की संभावना है।

SPORTS NEWS

9. ICC Men's T20 World Cup 2026 reaches decisive matches.
ICC Men's T20 World Cup 2026 के मुकाबले अब निर्णायक दौर में पहुँच चुके हैं। टीमों के बीच सेमीफाइनल में जगह बनाने की होड़ तेज हो गई है। खिलाड़ियों के प्रदर्शन, रणनीति और रिकॉर्ड खेल करंट अफेयर्स के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बने हुए हैं।

10. Indian athletes continue strong showing in global competitions.
अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों ने निरंतर अच्छा प्रदर्शन किया है। बैडमिंटन, बॉक्सिंग और एथलेटिक्स में पदक जीतकर खिलाड़ियों ने देश का नाम रोशन किया है, जिससे आगामी विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए आत्मविश्वास बढ़ा है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

**"जो व्यक्ति प्रतिदिन समाचार पढ़ता और समझता है, वही भविष्य की चुनौतियों के लिए सबसे अधिक तैयार रहता है।

अनुभाग-6

प्रेरक बाल एकांकी
"ताकत की थाली"
(सुरक्षित शनिवार I विषयः कुपोषण और समाधान)

(पात्र: सूत्रधार, रीना, मोहित, शिक्षिका, शिक्षक)

सूत्रधार: आज सुरक्षित शनिवार है। विद्यालय में कुपोषण और उसके समाधान पर विशेष चर्चा हो रही है। आइए देखें, रीना और मोहित क्या सीखते हैं।

(रीना थकी हुई बैठी है)

मोहित: रीना, तुम खेल क्यों नहीं रही? आज दौड़ प्रतियोगिता है!

रीना (कमज़ोर स्वर में): मोहित, मुझे जल्दी थकान हो जाती है। खेलते-खेलते चक्कर आने लगता है।

(शिक्षिका प्रवेश करती हैं)

शिक्षिका: बच्चो, क्या बात है? रीना उदास क्यों है?

मोहित: मैडम, यह जल्दी थक जाती है।

शिक्षिका (स्नेहपूर्वक): रीना, तुम रोज़ क्या खाती हो?

रीना: मैडम, मुझे सब्ज़ी-दाल पसंद नहीं। मैं अक्सर बिस्कुट और चिप्स खा लेती हूँ।

शिक्षिका यही तो कुपोषण की शुरुआत है। जब शरीर को सही पोषण नहीं मिलता, तो कमजोरी आ जाती है।

मोहित: कुपोषण मतलब क्या, मैडम?

शिक्षिका: जब शरीर को प्रोटीन, आयरन, विटामिन और ऊर्जा पूरी मात्रा में नहीं मिलती, तो बच्चा दुबला, थका हुआ और बीमार रहने लगता है। पढ़ाई और खेल दोनों प्रभावित होते हैं।

(शिक्षक प्रवेश करते हैं)

शिक्षक: बिल्कुल सही। कुपोषण से बचने के लिए संतुलित आहार जरूरी है—दाल, हरी सब्ज़ियाँ, फल, दूध और अनाज। घर का बना खाना सबसे अच्छा होता है।

रीना: तो क्या चिप्स और जंक फूड नुकसान करते हैं?

शिक्षक: हाँ, वे स्वाद देते हैं, पर ताकत नहीं। हमें "ताकत की थाली" अपनानी चाहिए।

मोहित (उत्साह से): चलो रीना! आज से हम दाल-चावल और सब्ज़ी खाएँगे।

रीना (मुस्कराकर): हाँ, अब मैं अपनी सेहत का ध्यान रखूँगी।

सूत्रधार (समापन): कुपोषण से बचाव हमारे हाथ में है। संतुलित भोजन, स्वच्छता और जागरूकता ही समाधान है।

सभी मिलकर:

"ताकत की थाली अपनाएँ,
कुपोषण को दूर भगाएँ !"

मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

"विद्यालय में उपचारात्मक शिक्षण क्यों और कैसे ?"

14.02.2026 विद्यालय में उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की संप्राप्ति हेतु एक आवश्यक प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके द्वारा हम विद्यार्थियों के सीखने में आने वाली कमियों को दूर करने का सार्थक प्रयास करते हैं। कक्षा शिक्षण के दौरान कई बार कुछ छात्र विभिन्न कारणों से सीखने के अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच पाते हैं, जिससे वे छात्र कक्षा के बाकी छात्रों से सीखने के मामले में पिछड़ने लगते हैं। कक्षा में सीखने के क्रम में पिछड़ गए छात्रों को कक्षा के बाकी सीखे छात्रों के समकक्ष लाने हेतु शिक्षक द्वारा कक्षा शिक्षण के अतिरिक्त किए गए प्रयास को उपचारात्मक शिक्षण के रूप में जाना जाता है।

उपचारात्मक शिक्षण आरंभ करने के पूर्व हम शिक्षकों सबसे पहले कमजोर छात्रों को सीखने में आने वाली कठिनाइयों की पहचान करना चाहिए। इसके लिए हमें कक्षा परीक्षण करना होता है, ऐसे परिक्षणों को निदानात्मक परीक्षण कहा जाता है। इन परीक्षणों हेतु मौखिक एवं लिखित प्रश्नों से युक्त एक समृद्ध कार्यपत्रक बनाना पड़ता है और उसके द्वारा जाँच कर सीखने की कठिनाइयों को पता करना पड़ता है, ताकि किस विषय एवं अध्याय के किस अवधारणा पर हमें छात्रों के साथ काम करना है स्पष्ट रहे। साथ ही हमें शैक्षिक रूप से कमजोर छात्रों से अलग अलग बातचीत कर उन कारणों को भी जानना चाहिए जो छात्रों के पिछड़ने के लिए उत्तरदाई हैं। इनमें संभावित कारण डर, झिझक, अनुपस्थिति आदि भी हो सकते हैं।

कठिनाइयों को जान लेने के बाद समान प्रकार की कठिनाईयों से जूझ रहे 5 से 7 छात्रों का छोटा समूह बनाकर उनके साथ काम करना चाहिए। ज्यादा कमजोर छात्रों को अलग से समय देना चाहिए पर उन्हें हीन भावना न हो इसका भी ध्यान रखना चाहिए। इन छात्रों के साथ शिक्षण करते हमें सरल एवं रोचक विधि अपनाना चाहिए एवं कठिन अवधारणाओं को छोटे-छोटे भागों में तोड़कर बताया जाना चाहिए। उपचारात्मक शिक्षण में अधिक से अधिक चार्ट, चित्र, मॉडल, शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रयोग करना चाहिए। छात्रों को खेल-खेल में गतिविधियों के माध्यम से सीखने हेतु प्रेरित करना चाहिए। जैसे पहाड़ा याद न होने पर पहाड़ा चार्ट, गिनती सिखाने के लिए कंकड़, दाल, बीज आदि का प्रयोग, जोड़-घटाव को खेल के रूप में कराना आदि।

शिक्षण व्यवहारिक जीवन से जुड़े हुए उदाहरणों पर आधारित होना चाहिए। पुनरावृत्ति एवं नियमित अभ्यास पर बल देते हुए समझ विकसित करने का किया जाना चाहिए। व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक छात्र की प्रगति पर फोकस करते छात्रों का उत्साहवर्धन करना चाहिए एवं दंड देने से बचना चाहिए। सीखने के छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित कर शिक्षण को संरचित करना चाहिए। बीच बीच में अभिभावकों का सहयोग लेते हुए अभिभावकों को बच्चे की समस्या बताना चाहिए घर पर अभ्यास कराते रहने का सुझाव देना चाहिए। बीच-बीच में छात्रों की प्रगति का मूल्यांकन किया जाना चाहिए और यह मूल्यांकन परीक्षणों के द्वारा ही किया जाना चाहिए। छात्रों की प्रगति का संधारण भी किया जाना चाहिए।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि उपचारात्मक शिक्षण के लिए धैर्य, सहानुभूति और नियमित अभ्यास आवश्यक है। यदि शिक्षक योजनाबद्ध तरीके से संपादित करें तो कमजोर विद्यार्थी भी मुख्यधारा में आ सकते हैं और विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित किया जा सकता है। तो हम अपने विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु कक्षा में उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था करें।

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🪴🙏

अनुभाग-8

"परीक्षा पर चर्चा"

"आज आखिरी पेपर, अब बस शांत मन से उत्सव मनाना है"

14.02.2026 Exam Warriors! कल 13 फरवरी 2026 को बिहार बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 का आखिरी पेपर समाप्त हो चुका है। लाखों छात्रों ने कई महीनों की मेहनत, अनुशासन, संयम और धैर्य के साथ इस लंबी यात्रा को पूरा किया। आज का दिन है – उस मेहनत को याद करने का, खुद को गर्व से देखने का और आने वाले कल के लिए नई शुरुआत का। मैट्रिक के योद्धाओं के लिए अभी 3 दिन बाकी हैं, लेकिन आज का पूरा संदेश उन इंटरमीडिएट छात्रों के लिए है जो कल अंतिम पेपर देकर बाहर आए हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का संदेश आज सबसे पहले आपके लिए है। उन्होंने कहा था:
"परीक्षा खत्म होने के बाद जो सबसे बड़ा काम है, वह है खुद को गर्व से देखना। तुमने जो मेहनत की है, वह पहले ही तुम्हें जीत दिला चुकी है। अब आराम करो, परिवार के साथ समय बिताओ और अगले सपनों की तैयारी शुरू करो।"

परीक्षा समाप्त होना कोई अंत नहीं है – यह एक नई शुरुआत है। कल तक जो तनाव, जो दबाव, जो समय की कमी थी – वह सब खत्म हो चुका है। अब समय है खुद को थोड़ा सा पुरस्कार देने का। आज सुबह उठकर 10 मिनट गहरी साँस लें और खुद से कहें – "मैंने कर दिखाया। मैंने अपनी पूरी मेहनत दी। अब मैं मुक्त हूँ।" ब्रेकफास्ट के साथ परिवार के साथ हल्की बातचीत करें। दिन में बाहर घूमें, दोस्तों से मिलें, पसंदीदा गाना सुनें या जो भी आपको खुशी देता है – वह करें।

अब परीक्षा के बाद का सबसे महत्वपूर्ण काम है – मन को रीसेट करना और अगले लक्ष्य की ओर देखना। आज ज्यादा सोच-विचार न करें कि पेपर कैसा रहा। बस खुद से कहें – "मैंने जो किया, वह मेरे नियंत्रण में था। बाकी सब ऊपर वाले के हाथ में है।" परिणाम आने में समय लगेगा, लेकिन उस समय तक आप अपना अगला सपना चुन सकते हैं – आगे की पढ़ाई, करियर, स्किल्स या जो भी आपका दिल कहता है।

मैट्रिक के छात्रों के लिए आज का संदेश:
आपके पास अभी 3 दिन बाकी हैं। इंटर के साथियों की तरह आप भी अंतिम पेपर तक शांत और मजबूत रहेंगे। आज सुबह 30 मिनट महत्वपूर्ण सूत्र, तिथियाँ और डायग्राम दोहराएँ। दोपहर में 1 घंटा टाइम्ड अभ्यास करें। शाम में 45 मिनट लेखन अभ्यास। साफ़ लिखावट और सही स्पेसिंग पर विशेष ध्यान दें।

अभिभावकों से आज का संदेश बहुत सरल है। बच्चे से कहें:
"तुमने कर दिखाया। हम बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं। अब आराम करो, खुश रहो। आगे का सफर हम साथ मिलकर तय करेंगे।"

शिक्षक साथियों से अपील है कि छात्रों को यही कहें:
"परीक्षा खत्म हो गई। तुमने जो मेहनत की, वह हमेशा तुम्हारे साथ रहेगी। अब अगले सपनों की ओर देखो।"

बिहार के इंटरमीडिएट के सभी योद्धाओं! आपने एक बड़ा पड़ाव पार कर लिया। यह अंत नहीं – नई शुरुआत है। अब आराम करो, गर्व से मुस्कुराओ और अगले सपनों की ओर बढ़ो। मैट्रिक के योद्धाओं – आपकी बारी है, तैयार रहो। सभी परीक्षार्थियों को हार्दिक बधाई और ढेर सारी शुभकामनाएँ!

कल फिर मिलेंगे – मैट्रिक की अंतिम तैयारी और इंटर के नए सपनों के साथ।

जय हिंद! जय बिहार!

.....

रवीन्द्र कुमार
ज़िला शिक्षा पदाधिकारी
प. चम्पारण, बेतिया।

अनुभाग-9

"मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा"

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा - 2

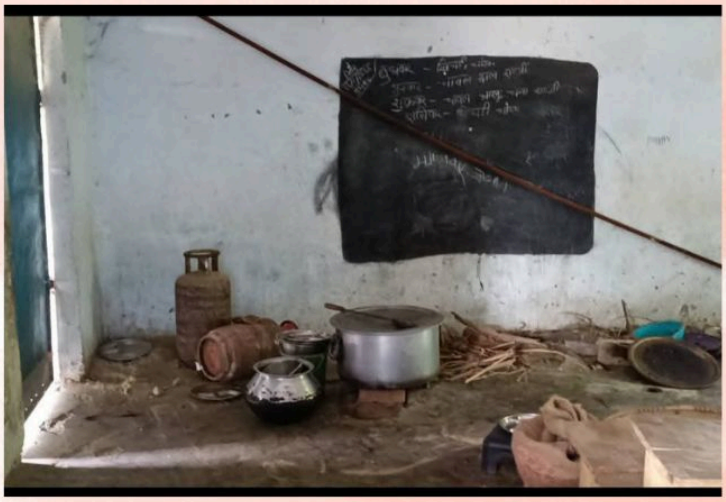

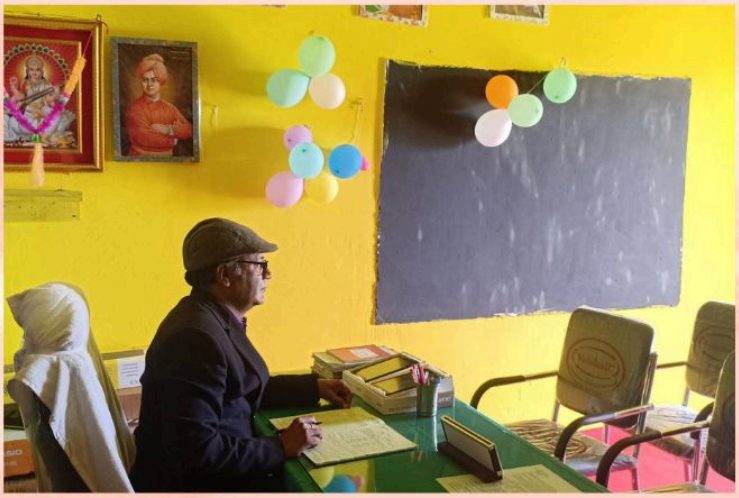

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा -2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org